औद्योगीकरण की दशा एवं दिशा(बिहार के कोसी क्षेत्र के संदर्भ में)

अनामिका कुमारी

प्रस्तुत आलेख में बिहार के कोसी क्षेत्र में वर्ष 1900 से 1947 तक औद्योगीकरण की दशा एवं दिशा का ऐतिहासिक विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बिहार के कोसी क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण स्थान है। बिहार के कोसी क्षेत्र के औद्योगीकरण के विकास संबंधी इतिहास लेखन का कोई गंभीर प्रयास अभी तक नहीं हुआ है। कोसी की उच्छश्रृंखला धाराओं ने इस काम को और दुरूह बना दिया है। ऐतिहासिक साक्ष्य कोसी की विनाशलीला के शिकार होकर रह गये हैं और जो हैं भी उनको पुरातत्वविदों के फावड़े का आज भी इंतजार है। सौभाग्यवश कोसी का आधुनिक इतिहास पुरातत्वविदों के फावड़े का मोहताज नहीं है। 19वीं सदी में इस क्षेत्र में कोई बड़ा एंव संगठित उद्योग नहीं था, लेकिन कुटीर उद्योग या गृह उद्योग एंव शिल्प ग्रामीण क्षेत्रों में फैला हुआ था। 20वीं सदी में इस क्षेत्र में आधुनिक उद्योग की शुरूआत हुई एवं औद्योगीकरण की दिशा में नये पहले शुरु हुए। यह आलेख द्वितीयक तथ्यों पर आधारित है।